GS WORLD

एक ऐसा संस्थान जो अपनी गुणवत्ता के लिए जाना जाता है...

IAS PCS

16 - 30 Nov., 2018

PIB

PICTURE

DELHI CENTRE
625, Ground Floor, Main Road,
Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph.: 7042772062/63, 9868395322

ALLAHABAD CENTRE
GS World House, Stanley Road,
Near Traffic Chauraha, Allahabad
Ph.: 0532-2266079, 8726027579

LUCKNOW CENTRE
A-7, Sector-J, Puranlya Chauraha
Aliganj, Lucknow
Ph.: 0522-4003157, 8756450834

आदि महोत्सव

(PIB, 16 Nov.)

संबंधित मंत्रालय – जनजातीय कार्य मंत्रालय
संबंधित मंत्री – श्री जुएल ओराम

संदर्भ

- हाल ही में जनजातीय शिल्प, संस्कृति, खान-पान और वाणिज्य की भावना के संवर्धन एवं प्रोत्साहन के लिए भारत सरकार का जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं TRIFED संयुक्त रूप से नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय जनजातीय उत्सव का आयोजन किया जिसे "आदि महोत्सव" का नाम दिया गया है।
- इस उत्सव की थीम है – A Celebration of the Spirit of Tribal Culture, Craft, Cuisine and Commerce.

क्या है?

- इस महोत्सव में जनजातीय कला और शिल्प, जनजातीय औषधि और चिकित्सा पद्धति तथा आदिवासी खान-पान से सम्बंधित सामग्रियों का प्रदर्शन और विक्रय होगा।

- इसमें जनजातीय लोक-कला का प्रदर्शन भी होगा जिसमें देश के 23 राज्यों के आदिवासी कारीगर, भोजन-निर्माता, लोक-नर्तक/संगीतकार सम्मिलित होंगे और अपनी समृद्ध पारम्परिक संस्कृति की झलक प्रस्तुत करेंगे।

- आदि महोत्सव में 100 स्टॉल होंगे जहाँ आदिवासी हस्तशिल्प, कला, चित्रों, कपड़ों, गहनों आदि की प्रदर्शनी और बिक्री की जायेगी।
- विभिन्न राज्यों के 200 आदिवासी कारीगर और कलाकार आएँगे और इस प्रकार भारत का एक छोटा स्वरूप ही यहाँ प्रकट हो जाएगा।

महत्त्व

- यह आदिम संस्कृति का प्रदर्शन है। आदिवासी जीवन स्वभाव से सादा होता है और इससे शास्वत मूल्य जुड़े होते हैं।

- आदिवासियों की विशेषता है कि वे अपनी प्राकृतिक सरलता और पुराने कौशलों को अभी तक बनाए रखने में समर्थ रहे हैं।
- उनका यह कौशल और सरलता उनके हस्तशिल्प एवं नृत्य-संगीत में आज भी झलकता है।

भारत सरकार और एडीबी के बीच समझौता

(PIB, 16 Nov.)

संबंधित मंत्रालय – वित्त मंत्रालय
संबंधित मंत्री – श्री अरुण जेटली

संदर्भ

- हाल ही में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और भारत सरकार ने 105 मिलियन डॉलर के ऋण पर हस्ताक्षर किए।

- यह समझौता राज्य और राष्ट्रीय ग्रिड में जलविद्युत की बढ़ी हुई आपूर्ति हेतु हिमाचल प्रदेश में पारेषण प्रणाली उन्नयन के लिए वित्त पोषण जारी रखने करने के लिए है।
- ऋण का यह तीसरा भाग हिमाचल प्रदेश स्वच्छ ऊर्जा ट्रांसमिशन निवेश कार्यक्रम के लिए 350 मिलियन बहु-किस्त वित्त पोषण सुविधा (एमएफएफ) का हिस्सा है जिसे सितंबर, 2011 में एडीबी बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया था।

उद्देश्य

- इसका लक्ष्य राज्य के जलविद्युत स्रोतों से उत्पन्न अक्षय ऊर्जा राज्य के भीतर और बाहर केंद्रों को लोड करने के लिए ट्रांसमिशन नेटवर्क को विकसित और विस्तारित करना है।

- यह इस परियोजना के लिए एक निष्पादन एजेंसी के रूप में, राज्य पारेषण कंपनी के रूप में हिमाचल प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीपीटीसीएल) के संस्थागत क्षमता विकास का भी समर्थन करता है।

- यह विशेष ऋण हिमाचल प्रदेश राज्य और पूरे उत्तरी भारत में बिजली उपभोक्ताओं को भारत के राष्ट्रीय ग्रिड में उत्पन्न जलविद्युत के प्रवाह के लिए ट्रांसमिशन सिस्टम क्षमता बढ़ाने में सरकार की मदद करेगा।

एयरसेवा 2.0 वेब पोर्टल

(PIB, 19 Nov.)

संबंधित मंत्रालय – नागर विमानन मंत्रालय
संबंधित मंत्री – श्री सुरेश प्रभु

संदर्भ

- हाल ही में केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं वाणिज्य मंत्री सुरेश प्रभु और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जयंत सिन्हा ने एयरसेवा 2.0 वेब पोर्टल और मोबाइल एप का उन्नत वर्जन लांच किया।
- इस अवसर पर नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि उपयोगकर्ताओं (यूजर) को बेहतर अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से एयरसेवा के एक उन्नत वर्जन के विकास की जरूरत महसूस की जा रही थी।

मुख्य तथ्य

- इस वेब पोर्टल में कई खूबियां शामिल की गई हैं।
- सोशल मीडिया के साथ सुरक्षित साइन-अप एवं लॉग-इन, यात्रियों की सुविधा के लिए चैटबॉट, सोशल मीडिया पर शिकायतों सहित बेहतर शिकायत प्रबंधन, वास्तविक समय पर उड़ानों की ताजा स्थिति से अवगत कराना और उड़ान कार्यक्रम से जुड़ा विस्तृत विवरण उपलब्ध कराना इन खूबियों में शामिल हैं।

- एयरसेवा के उन्नत एवं बेहतरीन वर्जन का संचालन संवादात्मक वेब पोर्टल के साथ-साथ एंड्रायड एवं आईओएस दोनों ही तरह के प्लेटफॉर्मों पर प्रभावकारी मोबाइल एप के जरिए किया जाता है।

- इससे यात्रियों को बाधामुक्त एवं सुविधाजनक हवाई यात्रा करने का आनंद मिलेगा।
- वेब पोर्टल और एप्लीकेशन से हवाई यात्रियों की प्रतिक्रियाओं एवं सुझावों से अवगत होने में मदद मिलेगी जिससे ठोस नीतिगत कदम उठाना आसान हो जाएगा।
- इस अवसर पर सुरेश प्रभु एवं जयंत सिन्हा ने चेन्नई एयरपोर्ट को चैंपियन पुरस्कार प्रदान किया।
- चेन्नई एयरपोर्ट पर शत-प्रतिशत शिकायतों का निवारण एक साल के अंदर कर दिया गया है।

पृष्ठभूमि

- विमानन मंत्रालय के अनुसार, प्रत्येक वर्ष 5 करोड़ लोग हवाई सफर करते हैं और यह संख्या निकट भविष्य में कई गुना बढ़ जाएगी।
- एयरसेवा के जरिए अब तक 12 हजार से ज्यादा शिकायतों का समाधान किया जा चुका है।

- एयरसेवा 2.0 और आगामी एयरसेवा 3.0 में प्राप्त यात्रियों के फीडबैक के आधार पर आगे की नीतियां बनाई जाएंगी।

- एयरसेवा 3.0 में डिजियात्रा का उपयोग करने वाले यात्रियों को एयरपोर्ट के डिजिटल मैप के अलावा लोकेशन ट्रैकिंग की सहूलियत भी मिलेगी।
- एयरसेवा पोर्टल और मोबाइल एप नवंबर, 2016 में शुरू किया गया था।
- मंत्रालय के अनुसार एयरसेवा 1.0 को शुरू किए जाने के बाद इसके जरिये विमान यात्रियों की कई चिंताओं को दूर करने में मदद मिली है।

इंद्र-2018 युद्ध अभ्यास

(PIB, 18 Nov.)

संबंधित मंत्रालय – रक्षा मंत्रालय
संबंधित मंत्री – निर्मला सीतारमण

हाल ही में भारत और रूस के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास इंद्र-2018 का आरम्भ 18 नवम्बर से किया गया।

इस युद्ध अभ्यास का आयोजन बबीना छावनी में किया जायेगा। यह युद्ध अभ्यास 11 दिन तक चलेगा। इस अभ्यास में भारत की इन्फेंट्री बटालियन तथा रूस की पांचवीं बटालियन हिस्सा लेंगी।

इस सैन्य अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देना है।

पृष्ठभूमि

- इंद्र सैन्य अभ्यास की शुरुआत वर्ष 2003 में हुई थी, इस युद्ध अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना है।
- वर्ष 2016 तक इस युद्ध अभ्यास का आयोजन भारत और रूस की नौसेना, वायुसेना और थल सेना के बीच अलग-अलग अंतराल में किया जाता है।

- अब इस अभ्यास का आयोजन सेना के तीनों अंगो द्वारा एक साथ किया जाता है।
- अक्टूबर, 2017 में रूस के व्लादिवोस्टोक में पहली बार इस त्रि-सेवा सैन्य अभ्यास का आयोजन किया गया था।

मुख्य बिंदु

- ऑपरेशन इंद्र में पहली बार भारत की मैकेनाइज्ड इंफेंट्री हिस्सा ले रही है।
- ऑपरेशन इंद्र में रूस की सेना भारतीय सेना की आतंकी गतिविधि और सैन्य ऑपरेशन के साथ युद्ध लड़ने के कौशल से रूबरू हो रही है।

- झांसी की व्हाइट टाइगर डिवीजन इस ऑपरेशन को आयोजित कर रही है।

- इसमें रूस की 5 आर्मी और भारत की 5 मैकेनाइज्ड इंफेंट्री के जवान हिस्सा ले रहे हैं।
- भारत और रूस के 250-250 जवान इसमें शामिल हैं।
- बबीना में रूस के जवान भारतीय सेना के टी 90 टैंक, बीएमपी और बोफोर्स के साथ अभ्यास कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट

(PIB, 20 Nov.)

संबंधित मंत्रालय – पर्यटन मंत्रालय
संबंधित मंत्री – के. जे. अल्फोंस

संदर्भ

- हाल ही में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय त्रिपुरा एवं पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन मंत्रालयों के साहचर्य में त्रिपुरा के अगरतला नगर में सातवाँ अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट आयोजित कर रहा है।

मुख्य तथ्य

- भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट का आयोजन होता है जिसका उद्देश्य उस क्षेत्र में पर्यटन की संभावना को भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाना है।
- इस मार्ट में आठ पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन से जुड़े हुए व्यवसायी इकट्ठा होते हैं।

- इस मार्ट का आयोजन इस प्रकार होता है जिससे कि सभी क्रेता, विक्रेता, मीडिया, सरकारी एजेंसियाँ और अन्य पर्यटन से जुड़े हुए लोगों के बीच विचारों के आदान-प्रदान में सुविधा प्राप्त हो।
- अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट के लिए स्थल का चयन पूर्वोत्तर राज्यों में बारी-बारी से होता है। पहले इस प्रकार के मार्ट गुवाहाटी, तवांग, शिलाँग, गंगटोक और इम्फाल में हो चुके हैं।

भूमिका

- भारत के पूर्वोत्तर में ये 8 राज्य हैं - अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम। इन सभी राज्यों में पर्यटन के योग्य कई आकर्षक स्थल एवं उत्पाद उपलब्ध हैं।

- यहाँ का धरातल, यहाँ के पेड़ पौधे, यहाँ के पशु-पक्षी, यहाँ के त्यौहार, यहाँ की कलाएँ और यहाँ के शिल्प भाँति-भाँति के हैं। यहाँ बहुत प्रकार के समुदाय निवास करते हैं जिनकी प्राचीन परम्पराएँ और जीवन शैलियाँ देखने लायक होती हैं। इन कारणों से इस क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं।

मार्ट के आयोजन का महत्त्व

- अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट में देश-विदेश के क्रेता और मीडिया प्रतिनिधि जमा होते हैं और वे पूर्वोत्तर क्षेत्र के विक्रेताओं से साक्षात रूप से (B2B) मिलते हैं।

- इस प्रकार यहाँ के पर्यटन व्यवसायियों को देश के और देश के बाहर के क्रेताओं से सम्पर्क हो जाता है। परिणामत: क्षेत्र के पर्यटन को बढ़ावा मिलता है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के मध्य समझौता

(PIB, 21 Nov.)

संबंधित मंत्रालय – विदेश मंत्रालय
संबंधित मंत्री – सुषमा स्वराज

संदर्भ

- हाल ही में भारत और ऑस्ट्रेलिया ने एग्रीकल्चरल रिसर्च (कृषि शोध) और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग और निवेश बढ़ाने के लिए पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।
- राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अपनी ऑस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन से सिडनी में मुलाकात की। ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करने वाले वे पहले भारतीय राष्ट्रपति हैं।

पांच समझौते क्या है?

- पहला समझौता अशक्तता क्षेत्र के लिए है। इसके तहत विशेष तौर पर सक्षम लोगों के लिए सेवाओं को बेहतर किया जाएगा।
- दूसरा समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार में द्विपक्षीय निवेश बढ़ाने के लिए इंवेस्ट इंडिया और ऑस्ट्रेड के बीच किया गया है।

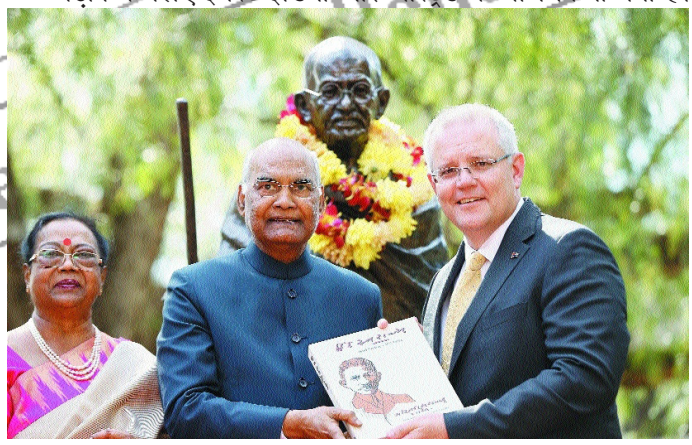

- तीसरा समझौता केंद्रीय खनन योजना एवं डिजाइन संस्थान, रांची और कॉमनवेल्थ साइंटिफिक एंड रिचर्स ऑर्गेनाइजेशन, कैनबरा के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए किया गया है।

- चौथा समझौता आचार्य एन. जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय गुंटूर और यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया, पर्थ के बीच कृषि शोध में सहयोग बढ़ाने के लिए हुआ है।
- पाचवाँ समझौता इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली और क्वींसलैंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ब्रिसबेन के बीच संयुक्त पीएचडी के लिए हुआ है।

मुख्य बिंदु

- भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और अगले 20 सालों तक किसी अन्य एक बाजार के मुकाबले यहां ऑस्ट्रेलिया के लिए ढेरों अवसर मौजूद हैं।
- ऑस्ट्रेलिया के व्यापार मंत्री सिमॉन बर्मिंघम ने कहा कि हम व्यापक आर्थिक सहयोग पर काम करेंगे।

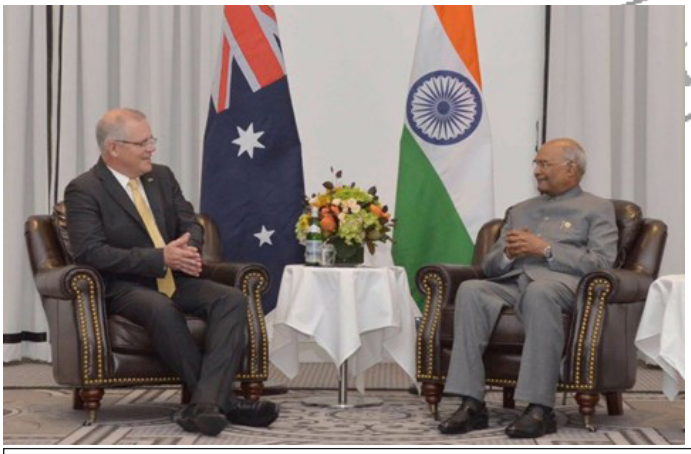

- हम 10 राज्य और 10 क्षेत्रों पर अपना विशेष ध्यान देंगे। हम भारत में अपने व्यापार को विस्तार करने में मदद करेंगे।
- अगले साल ऑस्ट्रेलिया-भारत रणनीतिक अनुसंधान कोष 5,00,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का अनुदान देगा।

सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा पेशा विधेयक, 2018

(PIB, 22 Nov.)

संबंधित मंत्रालय – स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
संबंधित मंत्री – जगत प्रकाश नड्डा

संदर्भ

- हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा पेशा विधेयक, 2018 को स्वीकृति दे दी है।
- यह सम्बद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा प्रोफेशनलों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा एवं सेवाओं के नियमन और मानकीकरण के लिए है।

मुख्य बिंदु

- इस विधेयक के अनुसार केंद्र और राज्यों में सम्बद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा परिषदें स्थापित की जायेंगी।

- इन परिषदों के कार्य ये होंगे – नीतियों और मानकों का निर्धारण, पेशेवर आचरण के लिए नियम बनाना, पंजियाँ बनाना एवं उनका संधारण करना, पेशे में प्रवेश के लिए और उससे निकलने के लिए दोनों प्रकार की सामान्य परीक्षाओं का प्रावधान करना।
- केन्द्रीय परिषद् में 47 सदस्य होंगे जिनमें से 14 सदस्य पदेन होंगे और शेष 33 सदस्य 15 पेशा श्रेणियों से आने वाले अपदेन सदस्य होंगे।

- राज्य परिषदों में 7 पदेन और 21 अपदेन सदस्य तथा 1 अध्यक्ष होंगे। यह अध्यक्ष अपदेन सदस्यों के बीच में से चुना जाएगा।
- केन्द्रीय और राज्य दोनों परिषदों में पेशेवर परामर्शी निकाय भी होंगे जिनका काम स्वतंत्र रूप से समस्याओं का परीक्षण करना और इनके समाधान के लिए अनुशंसा करना होगा।

Cabinet approves Allied and Healthcare Professions Bill

- विधेयक के नियम पहले से चल रहे किसी भी कानून से ऊपर माने जायेंगे।
- सम्बद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा संस्थानों को मान्यता देना राज्य परिषदों का काम होगा।
- गलत कामों को रोकने के लिए विधेयक में अपराध और दंड के विषय में आवश्यक प्रावधान किये गये हैं।
- यह विधेयक केंद्र और राज्य सरकारों को भी नियम बनाने की शक्ति देता है।
- केंद्र सरकार को यह शक्ति होगी कि वह परिषद् को नियम बनाने और अनुसूची में जोड़-घटाव करने के लिए निर्देश दे सकेगा।

उद्देश्य

- इस विधेयक का उद्देश्य मुहैया कराई जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी प्रणाली को मजबूत बनाना है, अतः यह कहा जा सकता है कि इस विधेयक से देश की सम्पूर्ण जनसंख्या और समूचा स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र लाभान्वित होगा।

व्यय अनुमान

- प्रथम चार वर्षों में कुल लागत 95 करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया गया है।
- कुल बजट का लगभग 80% (अर्थात् 75 करोड़ रुपये) राज्यों के लिए निर्धारित किया जा रहा है, जबकि शेष राशि के जरिए 4 वर्षों तक केन्द्रीय परिषद् के परिचालन के साथ-साथ केन्द्रीय एवं राज्य स्तरीय रजिस्टरों को तैयार करने में सहयोग के रूप में दिया जाएगा।

लाभार्थियों की संख्या

- एक अनुमान के मुताबिक इस विधेयक से देश में प्रत्यक्ष तौर पर लगभग 8-9 लाख वर्तमान सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा संबंधी पेशेवर और हर वर्ष कार्यबल में बड़ी संख्या में सम्मिलित होने वाले एवं स्वास्थ्य प्रणाली में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले अन्य स्नातक पेशेवर लाभान्वित होंगे।

ऑनलाइन पोर्टल शी-बॉक्स

(PIB, 22 Nov.)

संबंधित मंत्रालय – महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
संबंधित मंत्री – मेनका गाँधी

संदर्भ

- हाल ही में भारत सरकार महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने ऑनलाइन पोर्टल शी-बॉक्स को सभी केन्द्रीय मंत्रालयों, विभागों एवं 33 राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों के 653 जिलों से जोड़ दिया है।

- यह पोर्टल कार्यस्थल में यौन-उत्पीड़न की शिकायत को प्रतिवेदित करने के लिए बना है।
- अब हर मामला सीधे सम्बन्धित सक्षम अधिकारी - केन्द्रीय/राज्य के - पास पहुँच जाएगा और इस प्रकार शिकायतों का त्वरित निपटारा हो सकेगा।

- शी-बॉक्स में प्रतिवेदित मामलों पर शिकायतकर्ता स्वयं और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भी नजर रख सकेंगे जिससे बाद के निष्पादन में लगने वाला समय घट जायेगा।

क्या है?

- एक ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली है जिसमें कार्यस्थल पर होने वाले यौन-उत्पीड़न की शिकायतें अंकित की जाती हैं।
- इसका अनावरण महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा किया गया है।
- इस पोर्टल का उद्देश्य महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन-उत्पीड़न (रोकथाम प्रतिबन्ध एवं समाधान) अधिनियम, 2013 के प्रावधानों को लागू करना है।
- इसमें जैसे ही कोई शिकायत इस पोर्टल पर आयेगी उसे सीधे उस संबंधित मंत्रालय/विभाग/लोक उपक्रम/स्वायत्त निकाय आदि की आंतरिक शिकायत समिति को भेज दिया जाएगा।

- जब तक शिकायत का निपटारा नहीं होता है तब तक उसकी प्रगति को शिकायतकर्ता पोर्टल पर देख सकता है।

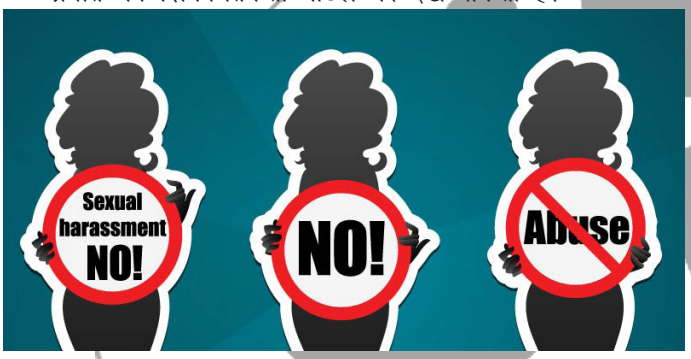

महत्व

- इसका निर्माण इसलिए किया गया है कि कार्यस्थल पर होने वाले यौन-उत्पीड़न के बारे में महिलाएँ शिकायत कर सकें।
- कार्यस्थल की परिभाषा में केन्द्रीय मंत्रालय, विभाग, लोक उपक्रम, स्वायत्त निकाय, संस्थान आदि सभी कार्यालय आते हैं।

पैसा पोर्टल का शुभारंभ

(PIB, 26 Nov.)

संबंधित मंत्रालय – आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय
संबंधित मंत्री – राव इंद्रजीत सिंह (राज्य मंत्री), हरदीप सिंह पुरी (एमओएस स्वतंत्र प्रभार)

संदर्भ

- हाल ही में केंद्र सरकार ने छोटे कारोबारियों को सस्ता लोन और ब्याज दर में छूट के लिए 'पैसा' पोर्टल का शुभारंभ किया है।
- यह पोर्टल आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने शुरू किया है।

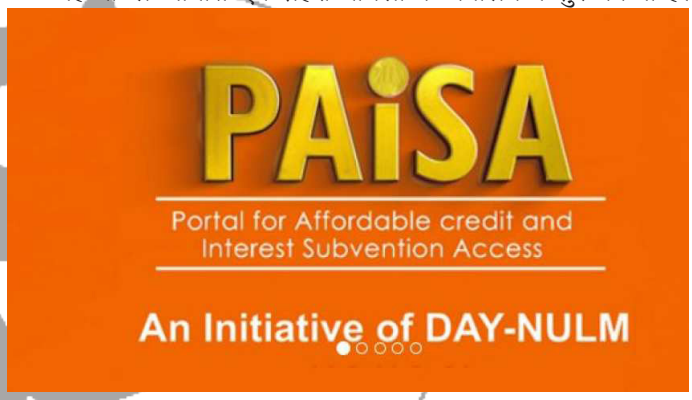

- केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने इस पोर्टल का लोर्कापण करने के बाद कहा कि 'पैसा' पोर्टल से लोगों को कारोबार के लिए सस्ता ऋण हासिल करने और ब्याज पर छूट लेने में आसानी होगी।
- यह पोर्टल मंत्रालय द्वारा शहरी स्थानीय निकायों के लिए ऋण सुविधा और नगर नियोजन पर दिनभर चली कार्यशाला के दौरान इस पोर्टल का शुभारंभ किया गया।

क्या है?

- यह पोर्टल दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत लाभार्थियों को बैंक लोन पर ब्याज अनुदान की प्रोसेसिंग के लिए एक केंद्रीयकृत इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म है।

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन
मेरा रोजगार उन्नति का आधार
National Urban Livelihoods Mission
Ministry of Housing & Urban Poverty Alleviation

- इस वेब प्लेटफॉर्म को इलाहाबाद बैंक ने तैयार किया है। इलाहाबाद बैंक को इसका नोडल बैंक बनाया गया है।
- इस पोर्टल के जरिए योजना के लाभार्थी सीधे सरकार से जुड़ सकेंगे और सेवाओं की आपूर्ति में पारदर्शिता और कुशलता आएगी। इससे छोटे कारोबारियों को समय पर मदद मिल सकेगी।

- वर्ष 2018 के अंत तक सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारें इससे जुड़ जाएगीं। इसके अलावा वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों को भी इससे जोड़ा जाएगा।

51,177 लाख रुपए का लोन स्वीकृत

- राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत अभी तक कुल 36258 लाभार्थियों के लिए 51,177 लाख रुपए का लोन स्वीकृत किया गया है। इसमें 16577 महिला लाभार्थी भी शामिल हैं।
- लाभार्थियों को अभी तक ब्याज में 145 लाख रुपए की राहत भी दी जा चुकी है।

हौसला 2018

(PIB, 26 Nov.)

संबंधित मंत्रालय – महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
संबंधित मंत्री – मेनका गाँधी

संदर्भ

- हाल ही में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने हाल ही में बाल देखभाल संस्थानों के बच्चों के लिए राष्ट्रीय उत्सव – हौसला 2018 (National Festival for Children of Child Care Institutions (CCIs) – Hausla 2018) का अनावरण किया है।

- यह उत्सव सभी प्रकार के बाल देखभाल से जुड़े संस्थानों से सम्बन्धित है।

- इसमें 18 राज्यों के बच्चे विभिन्न प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होते हैं, जैसे - चित्रकला, एथलेटिक्स, फुटबॉल, शतरंज और भाषण लेख।
- हौसला 2018 की थीम है - बच्चों की सुरक्षा।

उद्देश्य

- भारत-भर में फैले हुए बाल देखभाल से सम्बन्धित संस्थानों के बच्चों को एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करना जहाँ वे अपनी प्रतिभा को सिद्ध कर सकें।
- प्रतिभागी बच्चों को अपनी छिपी हुई प्रतिभाओं को समझने का अवसर देना।
- बच्चों में जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देना।

रक्षा ज्ञान शक्ति

(PIB, 27 Nov.)

संबंधित मंत्रालय – रक्षा मंत्रालय
संबंधित मंत्री – निर्मला सीतारमण

संदर्भ

- हाल ही में भारत की रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने 27 नवंबर 2018 को मिशन रक्षा ज्ञान शक्ति का शुभारंभ किया।
- इस मिशन का उद्देश्य रक्षा उद्योग में आविष्कार और नए उत्पादों के विकास को प्रोत्साहित करना है।

- रक्षा मंत्री ने मिशन मोड प्रोग्राम के तहत मिशन रक्षा ज्ञान शक्ति का कार्यक्रम शुरु किया।
- रक्षा मंत्री ने इस मौके पर अपने सम्बोधन में कहा कि बौद्धिक सम्पदा के प्रति चेतना फैलाने की विशेष कोशिश होनी चाहिए।

सत्यमेव जयते

- हालांकि भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान का केन्द्र रहा है लेकिन बौद्धिक सम्पदा के प्रति समुचित चेतना नहीं होने की वजह से देश में सृजनात्मकता का माहौल नहीं बना।

क्या है?

- इस कार्यक्रम में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों और आयुध फैक्ट्रियों द्वारा विशेष आविष्कारों तथा नवाचारों को प्रस्तुत किया गया।
- कार्यक्रम में इन उत्पादों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार के तहत सफल आवेदनों का भी परिचय दिया गया।
- राष्ट्र के लिए उपयोगी उत्पादों के आविष्कार के संबंध में श्रीमती सीतारमण ने कुछ वैज्ञानिकों का भी स्वागत किया।

- गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय को कार्यक्रम के समन्वय और कार्यान्वयन की जिम्मेदारी दी गई है।
- कार्यक्रम में इन उत्पादों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार के तहत सफल आवेदनों का भी परिचय दिया गया।
- राष्ट्र के लिए उपयोगी उत्पादों के आविष्कार के संबंध में रक्षा मंत्री ने कुछ वैज्ञानिकों का भी स्वागत किया।
- इस अवसर पर आयोजित परिचर्चा में सभी रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के अध्यक्ष और महानिदेशकों ने हिस्सा लिया। परिचर्चा में भविष्य के लिए रणनीति पर विचार किया गया।

पृष्ठभूमि

- बौद्धिक सम्पदा के क्षेत्र में भारतीय रक्षा वैज्ञानिको और इंजीनियरों को ट्रेनिंग दी जा रही है।

- इसके तहत अब तक आर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड और सार्वजनिक रक्षा उपक्रमों के दस हजार स्टॉफ को ट्रेनिंग दी गई है।
- इसका उद्देश्य भारतीय रक्षा निर्माण में बौद्धिक सम्पदा के प्रति जागरूकता पैदा करना और एक नई संस्कृति का विकास करना है।

सेंटिनल द्वीप

(PIB, 28 Nov.)

संबंधित मंत्रालय – जनजातीय कार्य मंत्रालय
संबंधित मंत्री – श्री जुएल ओराम

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में 16 नवम्बर, 2018 को एक अमेरिकी व्यक्ति को अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के सेंटिनल द्वीप के आदिवासियों द्वारा मार दिया गया।
- सेंटिनल द्वीप एक सुरक्षित क्षेत्र (protected zone) है जहाँ उस व्यक्ति ने अवैध रूप से प्रवेश किया था।

सेंटिनल द्वीपवासी कौन हैं?

- यह एक नीग्रो वर्ग की जनजाति है जो अंडमान के उत्तरी सेंटिनल द्वीप पर निवास करती है।
- शारीरिक और भाषागत समानता के आधार पर इन आदिवासियों को जारवा आदिवासियों से जोड़ा जाता है। ऐसा मानना है कि इन आदिवासियों की जनसंख्या 150 से कम और सम्भवत: 40 ही है।

- इस द्वीप में पाये गये रसोई के अवशिष्टों की कार्बन डेटिंग से भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण ने पता लगाया है कि इस द्वीप में 2,000 वर्ष पहले से ही आदिवासी निवास करते रहे हैं।
- जीनोम अध्ययनों से यह ज्ञात होता है कि अंडमान के कबीले इस क्षेत्र में 30,000 वर्ष पहले से रह रहे होंगे।

सुरक्षित क्षेत्रों की स्थापना क्यों?

- 1956 में अंडमान निकोबार द्वीप समूह (आदिवासी कबीलों की सुरक्षा) विनियम भारत सरकार द्वारा निर्गत हुआ था जिसमें इस द्वीप समूह के कबीलों के आधिपत्य वाले पारम्परिक क्षेत्रों को सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया था।

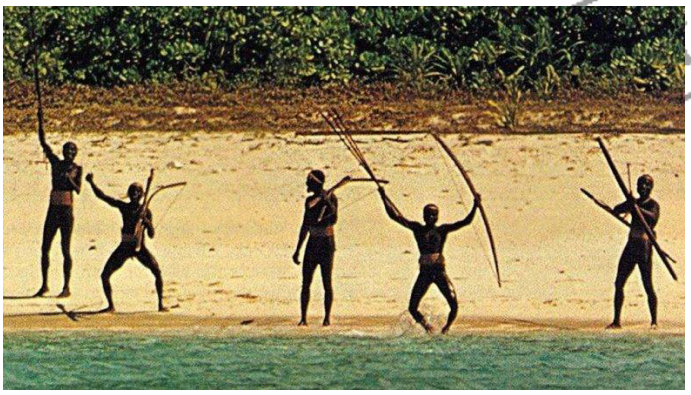

- इस विनियम के द्वारा इन क्षेत्रों में बिना सरकारी अनुमति के कोई नहीं जा सकता है। यहाँ आदिवासियों का छायाचित्र खींचना अथवा फिल्म बनाना भी दंडनीय है।
- कालान्तर में इन विनियमों में सुधार भी होते रहे हैं जिन सब का उद्देश्य दंड-विधान को और भी कठोर बनाना रहा है।
- अभी हाल ही में कुछ द्वीपों के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट में ढील दी गई थी।
- भारत सरकार ने सेंटिनल द्वीप और 28 अन्य द्वीपों को 21 दिसम्बर, 2022 तक प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट से अलग कर दिया है।
- इसका अभिप्राय यह हुआ कि विदेशी लोग इस द्वीप में बिना सरकारी अनुमति के जा सकते हैं।

सेंटिनल आदिवासी संकटग्रस्त क्यों माने जाते हैं?

- यह कहा जाता है कि ये आदिवासी 60,000 वर्षों से कोई प्रगति नहीं कर सके हैं और मछली तथा नारियल के बल पर अभी भी आदिम जीवन जी रहे हैं।
- क्योंकि इनका बाहरी संसार से कोई सम्पर्क नहीं है, इसलिए कीटाणु इन्हें बहुत क्षति पहुँचा सकते हैं।

- यदि किसी बाहरी यात्री के साथ साधारण फ्लू का वायरस भी इस द्वीप पर पहुँच जाए तो पूरी प्रजाति का नाश हो सकता है।
- 1960 से इन आदिवासियों तक पहुँचने के छिट-पुट प्रयास हुए हैं परन्तु ये सभी निष्फल रहे हैं, बाहरी व्यक्ति पर ये लोग टूट पड़ते हैं और इस प्रकार जतला देते हैं कि वे अकेले ही रहना चाहते हैं।

प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट (RAP) क्या है?

- प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट (Restricted Area Permit – RAP) की व्यवस्था भारत सरकार के एक आदेश के द्वारा 1963 में स्थापित की गई थी।
- इस आदेश के अनुसार विदेशी लोगों को सुरक्षित अथवा प्रतिबंधित क्षेत्र में तब तक जाने नहीं दिया जाता है जब तक सरकार को यह न लगे कि उनकी यात्रा हर प्रकार से उचित है।
- भूटान के नागरिक को छोड़कर किसी और देश का नागरिक सुरक्षित अथवा प्रतिबंधित क्षेत्र में यदि प्रवेश करना और वहाँ ठहरना चाहता है तो उसको सक्षम पदाधिकारी द्वारा विशेष परमिट लेना होगा।
- अफगानिस्तान, चीन और पाकिस्तान के नागरिकों तथा पाकिस्तानी मूल के विदेशियों को प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट दिया ही नहीं जाता है।

पीएसएलवी सी-43

(PIB, 29 Nov.)

संबंधित मंत्रालय – अंतरिक्ष विभाग
संबंधित मंत्री – ए.एस. किरण कुमार

संदर्भ

- हाल ही में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) सी-43 की मदद से आठ देशों ने 30 सैटेलाइट लॉन्च किये।

- विदेशी उपग्रहों में 23 अमेरिका से हैं।
- इस लॉन्च के लिए एक दिन पूर्व श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर में उल्टी गिनती शुरू हो गई थी। यह पीएसएलवी की 45वीं उड़ान है।

प्रमुख बिंदु

- एचवाईएसआईएस (HysIS) इस मिशन का प्राथमिक सैटेलाइट है।
- एचवाईएसआईएस उपग्रह का प्राथमिक उद्देश्य पृथ्वी की सतह के साथ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पैक्ट्रम में इंफ्रारेड एवं शॉर्ट वेव इंफ्रारेड क्षेत्रों का अध्ययन करना है।

- इसरो ने कहा कि यह सैटेलाइट सूर्य की कक्षा में 97.957 डिग्री के झुकाव के साथ स्थापित किया जाएगा।

- जिन देशों के उपग्रह भेजे गये हैं उनमें इसमें 23 सैटेलाइट अमेरिका के हैं जबकि आस्ट्रेलिया, कनाडा, कोलंबिया, फिनलैंड, मलेशिया, नीदरलैंड और स्पेन की एक-एक सैटेलाइट शामिल हैं।
- इससे पूर्व 14 नवंबर को एजेंसी ने अपना हालिया संचार सैटेलाइट जीसैट-29 लॉन्च किया था।

क्या होता है पीएसएलवी?

- ध्रुवीय उपग्रह प्रमोचन वाहन (पीएसएलवी), बिश्व के सर्वाधिक विश्वसनीय प्रमोचन वाहनों में से एक है।

- यह गत 20 वर्षो से भी अधिक समय से अपनी सेवाएं उपलब्ध करा रहा है तथा इसने चंद्रयान-1, मंगल मिशन, अंतरिक्ष कैप्सूल पुन:प्रापण प्रयोग (स्पेस कैप्सूल रिकवरी एक्सपरिमेंट), भारतीय क्षेत्रीय दिशानिर्देशन उपग्रह प्रणाली (आईआरएनएसएस) आदि जैसे अनेक ऐतिहासिक मिशनों के लिए उपग्रहों का प्रमोचन किया है।

- प्रमोचन सेवादाता के रूप में पीएसएलवी कई संगठनों की पहली पसंद है।
- इसने 19 देशों के 40 से अधिक उपग्रहों को प्रमोचित किया है।
- सन् 2008 में इसने एक प्रमोचन में सर्वाधिक, 10 उपग्रहों को विभिन्न निम्न पृथ्वी कक्षा में स्थापित करने का रिकार्ड बनाया था।

संबंधित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. हाल ही में सुर्खियों में रहे 'आदि महोत्सव' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
   1. यह महोत्सव जनजातीय शिल्प, संस्कृति, खान-पान और वाणिज्य की भावना के संवर्धन एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है।
   2. इस वर्ष इस महोत्सव का आयोजन भारत सरकार का जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं टीआरआईएफईडी संयुक्त रूप से नई दिल्ली में किया।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य नहीं है/हैं?
   (a) केवल 1
   (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों
   (d) न तो 1, न ही 2

2. हाल ही में भारत सरकार और एशियाई विकास बैंक के मध्य एक समझौता सम्पन्न हुआ। यह समझौता संबंधित है:
   (a) हिमाचल प्रदेश में जलविद्युत क्षमता बढ़ाने हेतु
   (b) हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में जलविद्युत क्षमता बढ़ाने के सम्बन्ध में
   (c) हिमाचल प्रदेश में जलविद्युत क्षमता बढ़ाने व स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम को प्रोत्साहित करने हेतु
   (d) इनमें से कोई नहीं

3. हाल ही में चर्चा में रहे 'एयरसेवा 2.0' वेब पोर्टल के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
   1. सोशल मीडिया के साथ सुरक्षित साइन-अप एवं लॉग-इन, सोशल मीडिया पर शिकायतों सहित बेहतर शिकायत प्रबंधन आदि विभिन्न आवश्यक विषयों को इसमें शामिल किया गया है।
   2. इसका संचालन संवादात्मक वेब पोर्टल के साथ-साथ एंड्रायड एवं आईओएस दोनों ही तरह के प्लेटफॉर्म पर मोबाइल एप के जरिए किया जाएगा।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है/हैं?
   (a) केवल 1
   (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों
   (d) न तो 1, न ही 2

4. हाल ही में सम्पन्न हुए संयुक्त सेनाभ्यास 'इंद्र-2018' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
   1. यह संयुक्त सैन्याभ्यास भारत और अमेरिका के मध्य सम्पन्न हुआ।
   2. इस सैन्य अभ्यास की शुरुआत वर्ष 2003 में हुई थी।
   3. इस अभ्यास का आयोजन सेना के तीनों अंगों द्वारा एक साथ किया जाता है।
   4. इस सैन्य अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देना है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल 3
   (b) 1 और 2
   (c) 1, 2 और 4
   (d) 2, 3 और 4

5. हाल ही में संपन्न 'अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
   1. इसका उद्देश्य भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन की संभावना को भारतीय बाजारों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाना है।
   2. त्रिपुरा के अगरतला में इस वर्ष का अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट आयोजित किया गया।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य नहीं है/हैं?
   (a) केवल 1
   (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों
   (d) न तो 1, न ही 2

6. हाल ही में चर्चा में रहा सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा पेशा विधेयक, 2018 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
   1. यह स्वास्थ्य सेवा प्रोफेशनलों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा एवं सेवाओं के नियमन और मानकीकरण से सम्बन्धित है।
   2. गलत कार्यों को रोकने के लिए विधेयक में अपराध और दंड के विषय में आवश्यक प्रावधान किए गए हैं।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल 1
   (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों
   (d) न तो 1, न ही 2

7. हाल ही में चर्चा में रहे ऑनलाइन पोर्टल 'शी-बॉक्स' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस ऑनलाइन पोर्टल से देश के सभी राज्यों के साथ-साथ केन्द्रशासित प्रदेश को भी जोड़ा गया है।
2. यह भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तत्वाधान में चलाया जा रहा है।
3. यह एक ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली है, जिसमें कार्यस्थल पर होने वाले यौन-उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज की जाती है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 3
(b) 1 और 3
(c) 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

8. हाल ही में चर्चा में रहे 'पैसा पोर्टल' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस पोर्टल की शुरुआत आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने शुरू किया है।
2. छोटे कारोबारियों के साथ मझोले व बड़े कारोबारियों को सस्ता लोन और ब्याज दर में छूट प्रदान करने के लिए इस पोर्टल की शुरुआत की गई है।
3. इस वेब प्लेटफॉर्म को इलाहाबाद बैंक ने तैयार किया है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) केवल 2 (b) केवल 3
(c) 2 और 3 (d) सभी सत्य है।

9. हाल ही में चर्चा में रहे 'हौसला-2018' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तत्वाधान में चलाया जा रहा है।
2. इसका उद्देश्य भारत में फैले बाल देखभाल से सम्बन्धित संस्थानों के बच्चों को एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है जहाँ वे अपनी प्रतिभा को प्रस्तुत कर सकें।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

10. हाल ही में चर्चा में रहे 'रक्षा ज्ञान शक्ति' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस मिशन का उद्देश्य रक्षा उद्योग में आविष्कार और नए उत्पादों को प्रोत्साहित करना है।
2. इसके अंतर्गत बौद्धिक सम्पदा के प्रति चेतना विकास को बढ़ावा दिया जाना शामिल है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

11. हाल ही में सुर्खियों में रहे 'सेंटिनल द्वीप' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक सुरक्षित क्षेत्र है, जहाँ बिना अनुमति के प्रवेश वर्जित है।
2. यह द्वीप उत्तरी अंडमान में स्थित है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

12. हाल ही में प्रक्षेपित किए गए 'पीएसएलवी सी-43' उपग्रह के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस उपग्रह को सतीश धवन स्पेस सेंटर, श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया गया।
2. यह इसरो की पीएसएलवी की 45वीं उड़ान थी।
3. इस मिशन का प्राथमिक उपग्रह एचवाईएसआईएस उपग्रह था।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है/हैं?

(a) केवल 2 (b) 1 और 2
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

13. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. हाल ही में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एग्रीकल्चर, रिसर्च और शिक्षा जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों संबंधी विभिन्न समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।
2. प्रणव मुखर्जी के बाद ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करने वाले रामनाथ कोविंद भारत के दूसरे राष्ट्रपति हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2